

मध्य प्रदेश में पुनरमतदान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत के नरिवाचन आयोग** ने कुछ **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM)** के क्षतिग्रस्त होने के बाद मध्य प्रदेश की बैतूल लोकसभा सीट के चार **बूथों** पर पुनरमतदान का आदेश दिया।

मुख्य बंदि:

- पुनरमतदान 10 मई 2024 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। जनि क्षेत्नों में पुनरमतदान होगा, वहाँ शुष्क दिवस (Dry Day) और छुट्टी की घोषणा की गई है।
- बैतूल लोकसभा सीट पर अनुमानति **72.65% मतदान** दर्ज कयिा गया।
- बैतूल मध्य प्रदेश की नौ सीटों में से एक थी, जहाँ लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मतदान हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM)

- EVM एक उपकरण है जसिका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोटों/मतों को रकिॉर्ड करने के लयिे कयिा जाता है। इनका **प्रयोग पहली बार वर्ष 1982 में केरल के परवूर वधिानसभा क्षेत्त्र में** कयिा गया था।
 - वर्ष 1998 के बाद से, चुनाव आयोग ने मतपेटयिों के बजाय EMV का उपयोग तेज़ी से कयिा है।
 - वर्ष 2003 में, सभी राज्यों के चुनाव और उपचुनाव EMV का प्रयोग करके आयोजति कयिे गए थे।
 - इससे उत्साहति होकर वर्ष 2004 में आयोग ने लोकसभा चुनावों में केवल EMV का प्रयोग करने का ऐतहिासकि नरिणय लयिा।



भारत निर्वाचन आयोग



Drishti IAS



परिचय

- स्वायत्त संवैधानिक निकाय
- लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव का संचालन
- स्थापना- 25 जनवरी, 1950 (राष्ट्रीय मतदाता दिवस)

संवैधानिक प्रावधान

भाग XV-अनुच्छेद 324 से 329

संरचना

- 1 मुख्य चुनाव आयुक्त और 2 चुनाव आयुक्त (राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त)
- **कार्यकाल** - 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो
- **सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्त**- सरकार द्वारा पुनर्नियुक्ति के लिये पात्र
- **मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना**- सदन की कुल संख्या के 50% से अधिक के समर्थन से उपस्थित और मतदान करने वाले 2/3 सदस्यों के बहुमत के साथ सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर प्रस्ताव

प्रमुख भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

- चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण
- मतदाता सूची तैयार करना और उसका पुनरीक्षण करना
- चुनाव कार्यक्रम और तारीखों को अधिसूचित करना
- राजनीतिक दलों को पंजीकृत करना और उन्हें राष्ट्रीय या राज्य दलों का दर्जा देना
- राजनीतिक दलों के लिये "आदर्श आचार संहिता" जारी करना



//